



Ujjwal Singh

Patanjalis Singh

महाराष्ट्र के लिये घोषणा की तब तक जो लोग इतने हैं
 कि पश्चिम यमवदी नदी के किनारे बसत प्रजासत्ता
 पर प्रभु होने के बाद कान्य किम्वद रुकने से
 उक्त भाग का क्षेत्रमा बढ़के खरीदा न होने
 खर्च क्षेत्रमा जिनमे खरीदारन रुके लखे
 पश्चिम के किनारे बसत प्रजासत्ता का खर्च
 जिनमे विवेकता गणना रहेगी। शेष जो अलगभूत
 दृष्टि से ही संठ हज़ार केपत्रा की बंदगी बबल
 मुकम्मल क्षेत्रमा होवे। तथा तभी खरीदारन
 के कान्यजी बुझाप्रदा के पर कल्लगी दिना
 जायगा। यदि क्षेत्रमा ज लोवने से जेनी इकल
 ना हीमा हवादा करके तो खरीदारन को तैयारी
 होगा जे कि सक्षम नयनयन से हमारे विमान
 चारा पूरे करके कान्य नाम क्षेत्रमा करके लखे।
 खेती दशा से हम मुक्तिदान पर हज़ार के
 खर्च के जिनमे होंगे। बहुत खर्च
 हुआ मुकम्मल। खर्च कान्यी खर्च में
 की कवल्य दशा से यह इकल बुझाप्रदा
 के लोव दिना के मुकम्मल
 है जो सक्षम पर काम है -
 कान्यजी बुझाप्रदा के का विवेकता -

7/2 1825
को नं० १२६ मा. १२५ में रुकाम दिया

[Handwritten signature]





मन्मथ वनमाला का का १६४४, १६४६, १६४८
 १६४९, १६५०क, १६५१, १६५२, १६५३, २४६
 २५९ १९ १५५६ १५५ १५५३ ५२
 १६५२क, १६४५क, १६४६ जुझला १२ का १६४६ का.
 कुल का का १७ ३:६ उन्नीस बीपा तीन ५ मेलना.
 का ५ मेलना का का.

Ujjal Singh

Paramjeet Singh

दिनांक ७ फरवरी सन १९८५ को लेना.
 एकीकरण के लिए अनुसूचित सं. १९८४

7/2/15
नं. लि. 2/3
की नं. 1095
म 66म 19वा

वही नम्बर 1 तिथि 568-8
से 22 से 23 में नम्बर 2144
माच 11-2-81 रजिस्ट्री की गई। ✓

[Handwritten Signature]

DEPUTY REGISTRAR
MOHANLAL GANJ,
LUCKNOW,

